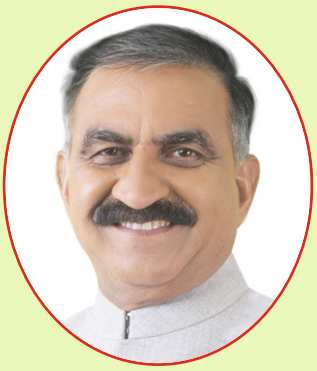

एचपीशिवा

हिमाचल प्रदेश उपोष्णकटिबंधीय बागवानी, सिंचाई एवं मूल्य वर्धन परियोजना

एशियन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित

परियोजना अवधिः 2023–2028

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर - संतरा

एचपीशिवा क्लस्टर, तलवाड़ा, बिलासपुर

ADB
ASIAN DEVELOPMENT BANK

परियोजना प्रबन्धन इकाई
एचपीशिवा परियोजना, उद्यान विभाग,
नवबहार, शिमला-171002, हिमाचल प्रदेश

DEPARTMENT OF HORTICULTURE HIMACHAL PRADESH

फोन–0177–2841120 ईमेल–**pmuhpshiva@gmail.com** वेबसाईट– **https://hpshiva.hp.gov.in**

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

- पौधे का तौलिया बनाकर उसमें अनुमोदित मात्रा के अनुसार 20 किग्रा अच्छी तरह से गले सड़े गोबर के साथ 500 ग्राम एसएसपी तथा सूक्ष्म उर्वरक मिलाकर डालें।
- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें एवं ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- छोटे पौधों की सिधाई करें व बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें तथा इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्रा0/ ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पौधों के तने पर बोर्डो पेस्ट (0.8 किग्रा0 नीला थोथा : 1 किग्रा0 चूना : 10 ली0 पानी) लगाएं।
- प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें तथा ड्रिपर की जांच करें।
- ब्लड रेड और वैलेन्सिया किस्मों की तुडाई आरम्भ करें।

- फलदार पौधों को छोड़कर सभी पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें व इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- सारिणी के अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिडकाव करें।

- 3 साल से कम उम्र के पौधों से फूलों को निकाल दें।
- पौधों के पास पीले तथा नीले रंग के चिपचिपे ट्रैप (Sticky Traps) लगाएं।
- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- तौलिये में सूखी घास (लगभग 15 सेमी0) से मल्चिंग करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई तथा आवश्यक मरम्मत करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें
- लेपिडोप्टेरा कीट की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्रामा कार्डस् (egg parasitoids) का उपयोग करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- पौधों के तने पर बोर्डो पेस्ट (0.8 किग्रा0 नीला थोथा : 1 किग्रा0 चूना : 10 ली0 पानी) फिर से लगाएं।
- अच्छे फल फसल तथा पैदावार के लिए सूक्ष्म उर्वरकों का छिडकाव करें
- नया बगीचा स्थापित करने के लिए रूपरेखा तैयार करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- जिंक की कमी को रोकने के लिए मैंगनीज सल्फेट (4 ग्राम/ली0 पानी) और जिंक सल्फेट (5 ग्राम/ली0 पानी) का घोल बनाकर छिडकाव करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- पौध रोपण के लिए 60×60×60 सेमी आकार के गड्ढे बनाने का कार्य करें।
- कैंकर रोग की रोकथाम के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- सिट्रस सिल्ला व लीफ माइनर से बचाव के लिए स्पिाइनोसेड (0.4 मिली0/ली0 पानी) का छिडकाव करें।

- नया बगीचा स्थापित करने के लिए किये गए गढ्ढों में 20 किग्रा गले सड़े गोबर के साथ, 1 किग्रा नीम केक, 500 ग्राम एसएसपी मिलाकर डालें तथा सिंचाई करें।
- बडे पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- मल्टीप्लेक्स/सूक्ष्म तत्व का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सारिणी में वर्णित किसी एक कीटनाशक/फफूंदनाशक का छिडकाव करें व बार–बार एक ही कीटनाशक के प्रयोग से बचें।

- नए पौधों का रोपण करें व तत्पश्चात् सिंचाई करें।
- फलों का आकार बढाने के लिए पोटाशियम नाइट्रेट (10 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- बगीचे से पानी की निकासी का उचित प्रंबध करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- सौर बाड़ के आस–पास साफ सफाई करें, बैटरी तथा करंट की नियमित जांच करें।
- नींबू की तितली से बचाव के लिए क्यूनालफॉस (1 मिली0/ली0 पानी) का छिडकाव करें।

- सूखे की स्थिति में पौधों की सिंचाई करें।
- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- पत्ती विश्लेषण के लिए पत्तियों के नमूने इकट्ठा करें।
- कार्यिकीय विकार से बचाव के लिए जी ए 3 (10 मिली ग्राम/ली0) का छिडकाव करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- जी ए 3 (10 मिली ग्राम/ली0) का छिडकाव करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए मिथाइल डैमिटोन (1 मिली0/ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.25 मिली0/ली0 पानी) या नीम का तेल (2 मिली0/ली0 पानी) या सियन्ट्रानिलीप्रोल (0.3 मिली0/ली0 पानी) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, ड्रिपर की जांच करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- बगीचा लगने के प्रारंभिक दो वर्षों में रबी की फसलें जैसे मटर, दालें, इत्यादि को अंतर फसलों के तौर पर रोपित किया जा सकता है।
- मुसम्बी किस्म के फलों का तुडान किया जा सकता है।

- ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें। जाफ़ा व ब्लड रैड किस्मों में सिंचाई न करें क्योंकि इस समय यह किस्में फल तुड़ान के लिए तैयार होती हैं।
- बारिश के तुरंत बाद तथा सुबह के समय जब फलों पर ओंस हो तो फल तुडान से बचें।
- रोग ग्रस्त तथा आपस में मिलने वाली शाखाओं को निकाल दें व इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।

तकनीकी सहयोग – *डा0 वाई0 एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, औद्यानिकी एवं वानिकी विद्यालय, नेरी, हमीरपुर।*

एचपीशिवा परियोजना से सम्बंधित जानकारी के लिए संपर्क करें			
निदेशक उद्यान, हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2842390 ई–मेल : horticul-hp@nic.in	परियोजना निदेशक / परियोजना उपनिदेशक / नोडल अधिकारी एचपीशिवा परियोजना प्रबन्धन इकाई, उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2841120 मो : +91-7018615569 / 7018134993 ई–मेल: pmuhpshiva@gmail.com / nodalofficerhpshiva@gmail.com वेबसाइट: https://hpshiva.hp.gov.in	परियोजना उपनिदेशक एचपीशिवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई, जल शक्ति विभाग, जल शक्ति भवन, शिमला फोन :+91-1905-292113 मो : +91-9816573293 / 9418465461 ई–मेल: deepakgarg5461@gmail.com	उप निदेशक उद्यान / जिला समन्वयक / प्रबन्धन विशेषज्ञ बिलासपुर : ddhbilaspur63@gmail.com मण्डी : horticulturemandi@gmail.com कांगडा : ddhkangra@yahoo.in / ddhkangra@gmail.com हमीरपुर : ddhhamirpur@gmail.com सोलन : ddhsolan@gmail.com सिरमौर : ddhsirmour7@gmail.com ऊना : ddhuna@rediffmail.com

समस्त विषय विशेषज्ञ उद्यान, उद्यान विकास अधिकारी, सहायक उद्यान विकास अधिकारी, उद्यान प्रसार अधिकारी एवं क्लस्टर प्रभारी